नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

यह संजीव आल इन वन पूर्णतः नवीनतम पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल
- अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- हिन्दी के पद्य पाठ, अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार व्याकरण का समावेश
- सभी महत्त्वपूर्ण मानचित्रों का समावेश

कक्षा 6

मूल्य 600.00

संजीव प्रकाशन, जयपुर
Visit us at : www.sanjivprakashan.com

इस पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

गुरुजनों से निवेदन

हमारे अनुभवी लेखकों तथा विषयाध्यापकों ने इस पुस्तक में विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की है। वस्तुतः इनमें योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के कठिन परिश्रम का निचोड़ समाविष्ट है। प्रत्येक विषय का सरल प्रतिपादन, पाठ्य सामग्री का वर्णन और सम्प्रेषण विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हो, इन बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक में पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल तो दिया ही गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तक में सभी प्रमुख विषयों का पाठ्यक्रमानुसार अत्यन्त सारगर्भित वर्णन किया गया है जो कि विद्यार्थी के लिए अत्यन्त लाभप्रद होगा।

आपका सहयोग एवं आगामी संस्करण के लिए आपके बहुमूल्य सुझाव एवं निर्देश अपेक्षित हैं।

प्रकाशक

विद्यार्थियों को पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

- कक्षा 6 में सत्र 2020-21 से राजस्थान पाठ्य पुस्तक मण्डल द्वारा NCERT की पाठ्यपुस्तकों को लगाया गया है। इन पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिये उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस **संजीव आल इन वन** में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस **संजीव आल इन वन** में **'पाठ-सार'** के बाद **'पाठगत प्रश्न'** शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी **संजीव आल इन वन** में दी गयी है।

- प्रत्येक पाठ या अध्याय के प्रारम्भ में संक्षेप में उसका सार दिया गया है। हमारे विद्वान लेखकों ने इस पाठ-सार में 'गागर में सागर' भरने का प्रयास किया है। विद्यार्थी इसे पढ़कर पूरे पाठ का निष्कर्ष सरलता से समझ सकते हैं।

- पाठ्यपुस्तकों के समस्त अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल दिया गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है।

- प्रत्येक पाठ या अध्याय में **वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक** एवं **निबन्धात्मक** आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।

- यह पुस्तक प्रश्नोत्तर रूप में श्रेष्ठ पुस्तक ही नहीं बल्कि **अभ्यास पुस्तिका** भी है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर सकेंगे—ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

प्रकाशक

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर्स, जयपुर
मेगा ग्राफिक्स, जयपुर

कक्षा-6 आल इन वन की विशेषताएँ

* पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल। अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के अन्तर्गत परीक्षोपयोगी सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश।

* पाठ्यपुस्तकों में अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। विद्यार्थियों के लिए उपयोगी इन सभी प्रश्नों के उत्तर 'पाठगत प्रश्न' शीर्षक के अन्तर्गत दिये गये हैं।

* अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित हिन्दी अनुवाद।

* हिन्दी के सभी पद्य पाठों की सप्रसंग व्याख्या।

* हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।

* सभी विषयों का वर्णन सन्तुलित दिया गया है। किसी भी विषय में न तो अनावश्यक मैटर दिया गया है और न ही किसी Topic को छोड़ा गया है।

छात्र/छात्रा का नाम ....

कक्षा .... वर्ग ....

विषय ....

विद्यालय का नाम ....

सूचना—

इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं– email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

पता : प्रकाशन विभाग
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

यद्यपि इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सभी सावधानियों का पालन किया गया है तथापि किसी भी गलती के लिए प्रकाशक या मुद्रक उत्तरदायी नहीं होंगे।

आल इन वन

कक्षा-6

विषय-सूची

ENGLISH

POORVI

Unit 1 : Fables and Folk Tales

1. A Bottle of Dew 1
2. The Raven and the Fox 9
3. Rama to the Rescue 14

Unit 2 : Friendship

4. The Unlikely Best Friends 22
5. A Friend's Prayer 30
6. The Chair 35

Unit 3 : Nurturing Nature

7. Neem Baba 42
8. What a Bird Thought 49
9. Spices that Heal Us 54

Unit 4 : Sports and Wellness

10. Change of Heart 59
11. The Winner 66
12. Yoga—A Way of Life 69

Unit 5 : Culture and Tradition

13. Hamara Bharat—Incredible India! 72
14. The Kites 78
15. Ila Sachani : Embroidering Dreams with her Feet 85
16. National War Memorial 93

GRAMMAR AND VOCABULARY

GRAMMAR

1. Articles 95
2. Tenses 97
3. Relative Pronouns 107
4. Prepositions 109
5. Jumbled Words/Phrases 112
6. Active Voice—Passive Voice 114
7. Adjectives 115
8. Conjunctions 117
9. Modals 118
10. Adverbs of Place, Time and Manner 120
11. Punctuation Marks 121

VOCABULARY

1. Sounds 122
2. Opposites/Antonyms 122
3. Homophones 124
4. Word Formation 125
5. One-word 127
6. Number 129
7. Words Inside A Word 130
8. Contracted Words 131
9. Gender 131
10. Words in Situation or Suitable Words 132
11. Similar Words/Synonyms 133

READING

Unseen Passages for Comprehension 134-138

WRITING

1. **Paragraph Writing 139-146**
2. **Story Writing 146-153**
3. **Letter Writing 153-154**
4. **Application Writing 154-156**

5. **Description of Pictures** 156-159
6. **Dialogue Writing** 159-160
Oral Examination 160-162
Useful Words of Daily Use 163-164

हिन्दी

मल्हार

1. मातृभूमि (कविता) 165
2. गोल (संस्मरण) 170
3. पहली बूँद (कविता) 175
4. हार की जीत (कहानी) 179
5. रहीम के दोहे (दोहे) 184
6. मेरी माँ (आत्मकथा) 189
7. जलाते चलो (कविता) 194
8. सत्रिया और बिहू नृत्य (निबंध) 200
9. मैया मैं नहिं माखन खायो (पद) 205
10. परीक्षा (कहानी) 209
11. चेतक की वीरता (कविता) 216
12. हिंद महासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान (यात्रा वृतांत) 220
13. पेड़ की बात (निबंध) 225

व्याकरण-खण्ड

1. संज्ञा 231
2. सर्वनाम 232
3. विशेषण 233
4. क्रिया 234
5. क्रिया-विशेषण 236
6. लिंग 237
7. कारक 237
8. अव्यय 239
9. विपरीतार्थक (विलोम) शब्द 240
10. पर्यायवाची/समानार्थी 241
11. समानार्थक/एकार्थक शब्द 242
12. अनेकार्थक/भिन्नार्थक शब्द 243
13. एकल शब्द 244
14. सन्धि 245
15. उपसर्ग 247
16. प्रत्यय 248
17. तत्सम/तद्भव शब्द 249
18. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द 250
19. शुद्ध शब्द एवं शुद्ध वाक्य 250
20. मुहावरे और कहावतें 251
21. विराम-चिह्न 254
22. वाक्य-परिचय 255

अपठित **256-258**

रचना

1. पत्र-लेखन 258-260
2. निबन्ध-लेखन 261-267
3. कहानी-लेखन 267-268
4. विज्ञापन लेखन 268-272

हिन्दी मौखिक परीक्षा **272**

संस्कृत

दीपकम्—प्रथमः भागः

प्रथमः पाठः वयं वर्णमालां पठामः 273
द्वितीयः पाठः एषः कः? एषा का? एतत् किम्? 279
तृतीयः पाठः अहं च त्वं च 285
चतुर्थः पाठः अहं प्रातः उत्तिष्ठामि 291
पञ्चमः पाठः शूराः वयं धीराः वयम् 294
षष्ठः पाठः सः एव महान् चित्रकारः 298

सप्तम: पाठ: अतिथिदेवो भव 301
अष्टम: पाठ: बुद्धि: सर्वार्थसाधिका 307
नवम: पाठ: यो जानाति स: पण्डित: 314
दशम: पाठ: त्वम् आपणं गच्छ 318
एकादश: पाठ: पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि 322
द्वादश: पाठ: आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु: 327
त्रयोदश: पाठ: सङ्ख्यागणना ननु सरला 333
चतुर्दश: पाठ: माधवस्य प्रियम् अङ्गम् 336
पञ्चदश: पाठ: वृक्षा: सत्पुरुषा: इव 342

व्याकरण एवं लेखन/रचना

1. वर्ण-परिचय: /वर्णमाला एवं मात्रा-ज्ञान 347-350
2. लिंग-ज्ञानम् 350-351
3. वचन-ज्ञानम् 351-352
4. पुरुष-ज्ञानम् 352
5. विशेषण-विशेष्य-ज्ञानम् 352-354
6. कारक-विभक्ति-परिचय: 354-355
7. शब्दरूपाणि 355-359
संज्ञा-शब्द 355-357
सर्वनाम-शब्द 357-359
8. धातु-रूपाणि 359-362
9. सन्धि 362-363
10. प्रत्यय 363-364
11. उपसर्ग 364-365
12. अव्यय 365-366
13. कर्त्ता एवं क्रिया 366
14. संख्यावाची (विशेषण) शब्द 366-368
15. चित्रवर्णनम् (वाक्य-रचना) 368
16. संस्कृत में प्रार्थना-पत्रम् 368-370
17. लघु-निबन्ध लेखन 370-371
18. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 371
19. अपठित-अवबोधनम् 371-373
श्लोक-लेखनम् 373

विज्ञान

जिज्ञासा

1. विज्ञान का अनूठा संसार 374
2. सजीव जगत में विविधता 377
3. उचित आहार—स्वस्थ शरीर का आधार 384
4. चुंबकों को जानें 393
5. लंबाई एवं गति का मापन 399
6. हमारे आस-पास की सामग्री 405
7. ताप एवं उसका मापन 411
8. जल की विविध अवस्थाओं की यात्रा 418
9. दैनिक जीवन में पृथक्करण विधियाँ 423
10. सजीव-विशेषताओं का अन्वेषण 429
11. प्रकृति की अमूल्य संपदा 436
12. पृथ्वी से परे 444

गणित

गणित प्रकाश

1. गणित में पैटर्न 451
2. रेखाएँ और कोण 461
3. संख्याओं का खेल 476
4. आँकड़ों का प्रबंधन और प्रस्तुतिकरण 485
5. अभाज्य समय 498
6. परिमाप और क्षेत्रफल 509
7. भिन्न 519
8. रचनाओं के साथ खेलना 539
9. सममिति 552
10. शून्य के दूसरी ओर 563

सामाजिक विज्ञान

समाज का अध्ययन: भारत और उसके आगे

परिचय — सामाजिक विज्ञान क्यों? 579

(क) — भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी

अध्याय 1. पृथ्वी पर स्थानों की स्थिति 581

अध्याय 2. महासागर एवं महाद्वीप 589

अध्याय 3. स्थलरूप एवं जीवन 596

(ख)— अतीत के चित्रपट

अध्याय 4. इतिहास की समय-रेखा एवं उसके स्रोत 604

अध्याय 5. इंडिया अर्थात भारत 612

अध्याय 6. भारतीय सभ्यता का प्रारंभ 616

(ग) — हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ

अध्याय 7. भारत की सांस्कृतिक जड़ें 626

अध्याय 8. विविधता में एकता या 'एक में अनेक' 634

(घ)— शासन और लोकतंत्र

अध्याय 9. परिवार और समुदाय 641

अध्याय 10. आधारभूत लोकतंत्र— भाग 1 : शासन 647

अध्याय 11. आधारभूत लोकतंत्र— भाग 2 : ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय सरकार 656

अध्याय 12. आधारभूत लोकतंत्र— भाग 3 : नगरीय क्षेत्रों में स्थानीय सरकार 662

(ङ) — हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन

अध्याय 13. कार्य का महत्त्व 667

अध्याय 14. हमारे आस-पास की आर्थिक गतिविधियाँ 673

हमारा राजस्थान भाग-1

1. राजस्थान — एक परिचय 681
2. राजस्थान का इतिहास 684
3. इतिहास जानने के स्रोत 687
4. राजस्थान के प्राचीन सभ्यता स्थल 690
5. आजादी से पूर्व सरकार का स्वरूप 694
6. राजस्थान का भौतिक स्वरूप 697
7. जल संसाधन एवं संरक्षण 703
8. आजीविका के प्रमुख क्षेत्र 708
9. राजस्थान में आधारभूत सेवाएँ 712
10. लोक संस्कृति एवं कला 716
11. भौगोलिक संकेतक राजस्थान की प्रमुख कलाएँ एवं उत्पाद 723
12. अग्नि सुरक्षा 725
13. योग और ध्यान केन्द्र 730

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न 734-736

◆◆◆

ये हम नहीं कहते, जमाना कहता है

संजीव बुक्स है नं. 1

कक्षा 3 से एम.ए. के लिये

राजस्थान पत्रिका — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 2 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों के सर्वे में संजीव बुक्स सबसे आगे

जयपुर पत्रिका। हाल ही में किए गए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स के बारे में विद्यार्थियों का कहना है कि उन्हें इसमें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल व मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव बुक्स ही बाजार में उपलब्ध एकमात्र ऐसी बुक हैं जो पूर्णतः नए पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार की जाती हैं।

दैनिक भास्कर — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 3 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों में सबसे लोकप्रिय संजीव बुक्स

जयपुर। हाल ही में हुए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स की लोकप्रियता पर विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि संजीव बुक्स में उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के चलते संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं।

दैनिक नवज्योति — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 2 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय संजीव बुक्स

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। हाल ही में किए गए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स की लोकप्रियता के बारे में विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि संजीव बुक्स में उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के चलते संजीव प्रकाशन की ओर से प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों की पहली पसन्द बनी हुई हैं।

संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय को आसानी से समझने के लिए कक्षा 6 से 12 के लिए संजीव इंग्लिश कोर्स प्रकाशित किए जाते हैं जो कि अंग्रेजी विषय की सर्वाधिक लोकप्रिय पुस्तकें हैं। कक्षा 11 एवं 12 के साइन्स के विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकता को देखते हुए संजीव साइन्स की उच्च स्तरीय पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों माध्यमों में प्रकाशित की जाती हैं। अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव रिफ्रेशर, ऑल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं।

प्रकाशक : संजीव प्रकाशन, जयपुर

English—Class-6

POORVI

Unit-1. Fables and Folk Tales
[नीतिकथाएँ और लोक कथाएँ]

1. A Bottle Of Dew
[ओस की एक शीशी] —*Sudha Murty*

Let us do these activities before we read.

I. Circle the picture that matches with each word. Check your answers by sharing them with your classmates and teacher.

Ans. 1. worried 2. plantation 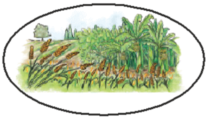

3. sage 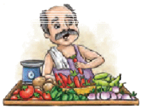 4. surprise 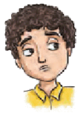

II. Answer these questions and discuss them with your classmates and teacher.

1. Think of a time when you worked hard. What did you do then?
उस समय के बारे में सोचिए जब आपने कड़ी मेहनत की थी। तब आपने क्या किया था?

Ans. Last year, when I was in 5th class, I lagged behind in my studies due to my long illness. I was much worried about my grades in internal exams. My class teacher motivated me and told me that I could still compensate for my loss if I worked harder. I prepared my Time-Table for self-study and studied accordingly for long hours. My class teacher also helped me whenever I needed his help.
पिछले वर्ष, जब मैं 5वीं कक्षा में था तो अपनी लंबी बीमारी के कारण मैं अपनी पढ़ाई में पिछड़ गया था। मैं इंटरनल एग्जाम में अपने ग्रेड को लेकर बहुत चिंतित था। मेरे कक्षा अध्यापक ने मुझे प्रेरित किया और कहा कि अगर मैं और कड़ी मेहनत करता तो मैं अपने नुकसान की भरपाई कर सकता था। मैंने स्वाध्याय के लिए अपनी समय-सारणी बनाई और उसके अनुसार लंबे समय तक पढ़ाई की। जब भी मुझे मदद की जरूरत पड़ी, मेरे कक्षा अध्यापक ने भी मेरी मदद की।

2. How did it help you? इसने किस तरह आपकी मदद की?

Ans. It helped me fare well in my annual exams and make up for the loss. इससे मुझे अपनी वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने और नुकसान की भरपाई करने में मदद मिली।

3. How did it make you feel? इसने आपको कैसा महसूस कराया?

Ans. It made me feel confident and happy. इससे मुझे आत्मविश्वास और खुशी महसूस हुई।

Let us read (आइये पढ़ते हैं)

कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद

I

Rama Natha was .... without money. (page 2)

कठिन शब्दार्थ- **Landlord** (लैन्ड्लॉड्) = मकान-मालिक। **Tracts** (ट्रैक्ट्स्) = क्षेत्र। **Look after** (लुक् आफ़्ट(र्)) = देखभाल करना। **Funny** (फ़नि) = विचित्र या असाधारण। **Believe** (बि'लीव्) = विश्वास करना। **Potion** (पोशन्) = मिश्रित औषधि। **Turn** (टन्) = बदल देना। **Object** (ऑब्जिक्ट्) = पदार्थ, वस्तु। **Cheated** (चीटिड्) = धोखा दिया; छल किया। **Often** (ऑफ़्टन्) = बार-बार। **Give up** (गिव् अप) = हार मान लेना। **Tired of** (टाइअड् ऑव्) = किसी बात या काम से ऊबना। **Worried** (वरिड्) = चिंतित। **Spending** (स्पेन्डिङ्) = खर्च कर रहा था।

हिन्दी अनुवाद- राम नाथ एक अमीर जमींदार का बेटा था। उसके पिता ने मरने से पहले उसके लिए बहुत ज़मीनें छोड़ी थीं। लेकिन राम नाथ ने अपनी ज़मीन की देखभाल में एक दिन भी नहीं बिताया था। ऐसा इसलिए था क्योंकि उसके मन में एक अजीब विचार था– उसे विश्वास था कि एक जादुई औषधि थी जो किसी भी वस्तु को सोने में बदल सकती थी। उसने अपना सारा समय इस औषधि के बारे में और अधिक जानने में लगा दिया। लोग अक्सर उसे धोखा देते थे, उसे इसके बारे में बताने का वादा करके, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसकी पत्नी, मधुमती, इस बात से ऊब चुकी थी और चिंतित भी थी क्योंकि वह देखती थी कि राम नाथ कितना धन खर्च कर रहा था। उसे यकीन था कि जल्द ही वे धन से रहित हो जायेंगे।

One day, a famous sage .... his luck. (page 2)

कठिन शब्दार्थ- **Famous** (फ़ेमस्) = प्रख्यात। **Sage** (सैज्) = ऋषि। **Town** (टाउन्) = क़स्बा। **Became** (बिकेम्) = बन गया। **Follower** (फ़ॉलोअ(र्)) = अनुयायी या समर्थक। **Surprise** (स'प्राइज़्) = आश्चर्य। **Travels** (ट्रैवल्स्) = यात्राएँ। **Heard** (हड्) = सुना।

हिन्दी अनुवाद- एक दिन महीपति नामक एक प्रसिद्ध ऋषि उनके कस्बे में आए। राम नाथ उनका अनुयायी बन गया और उनसे उस औषधि के बारे में पूछा। उसे आश्चर्य हुआ जब ऋषि ने उत्तर दिया, ''हाँ, हिमालय में अपनी यात्राओं के दौरान मैंने सुना था कि तुम ऐसी औषधि कैसे बना सकते हो। किन्तु यह कठिन है।''

''मुझे बताओ!'' राम नाथ ने अपनी किस्मत पर यकीन न करते हुए प्रार्थना की।

"You have to plant .... own hands". (pages 2-3)

कठिन शब्दार्थ- **Plant** (प्लान्ट्) = पौधा लगाना। **Regularly** (रेग्यल(र्)ली) = नियमित रूप से। **Dew** (ड्यू) = ओस। **Collect** (क'लेक्ट्) = इकट्ठा करना। **Store** (स्टॉ(र्)) = किसी वस्तु की आपूर्ति को सुरक्षित रखना। **Bring** (ब्रिङ्) = साथ लाना। **Chant** (चान्ट्) = जपना, ऊँचे स्वर में बार-बार बोलना। **Drop** (ड्रॉप्) = बूँद। **A few** (अ'फ़्यू) = थोड़े-से।

हिन्दी अनुवाद- ''तुम्हें केले का एक पौधा लगाना है और उसे नियमित रूप से अपने हाथों से सींचना है। सर्दियों में सुबह की ओस पत्तियों पर होती है। तुम्हें ओस को इकट्ठा करके एक बोतल में रखना है। जब तुम्हारे पास पाँच लीटर ओस हो जाए, तो उसे मेरे पास ले आना। मैं कुछ जादुई शब्दों का जाप करूँगा, जो इसे जादुई औषधि (काढ़ा) में बदल देंगे। औषधि की एक बूँद किसी भी वस्तु को सोने में बदल देगी।''

राम नाथ चिंतित था। ''लेकिन सर्दी सिर्फ कुछ महीनों के लिए होती है। मुझे पाँच लीटर ओस इकट्ठा करने में सालों लग जाएँगे।''

''तुम जितने चाहो उतने केले के पौधे लगा सकते हो। लेकिन याद रखना, तुम्हें उनकी देखभाल खुद ही करनी होगी और ओस को अपने हाथों से इकट्ठा करना होगा।''

Let us discuss (आइये चर्चा करें)

Q. 1. What did Rama Natha believe? राम नाथ का क्या विश्वास था?

Ans. Rama Natha believed that there was a magic potion that could turn any object into gold. राम नाथ को विश्वास था कि एक जादुई औषधि थी जो किसी भी वस्तु को सोने में बदल सकती थी।

Q. 2. How did the sage help Rama Natha? ऋषि ने राम नाथ की मदद कैसे की?

Ans. The sage helped Rama Natha by advising him to plant many banana plants and collect five litres of dew from their leaves. He, thus, made him work hard.

ऋषि ने राम नाथ को कई केले के पौधे लगाने और उनकी पत्तियों से पाँच लीटर ओस इकट्ठा करने की सलाह देकर उसकी मदद की। इस प्रकार, उन्होंने राम नाथ को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

Q. 3. Do you think Rama Natha will be able to collect the dew? Give a reason.

क्या आपको लगता है कि राम नाथ ओस एकत्रित कर पाएगा? कारण बताइए।

Ans. Yes, I think Rama Natha will be able to collect the dew as he is very keen to get the magic potion and he can get it only by collecting the dew as told by the sage.

हाँ, मुझे लगता है कि राम नाथ ओस एकत्रित करने में सक्षम होगा क्योंकि वह जादुई औषधि पाने के लिए बहुत उत्सुक है और वह इसे केवल ओस एकत्रित करके ही प्राप्त कर सकता है जैसा कि ऋषि ने कहा था।

II

Rama Natha went .... litres of dew. (page 4)

कठिन शब्दार्थ- **Started** (स्टाटिड्) = आरम्भ किया। **Lying** (लाइङ्) = पड़े हुए होना। **Empty** (एम्प्टि) = खाली। **Row** (रो) = कतार। **Tended** (टेन्डिड्) = देखभाल की। **Carefully** (केअफ़लि) = ध्यानपूर्वक, सावधानी से। **Formed** (फ़ॉमिड्) = विशेष आकार धारण किया। **Great** (ग्रेट्) = बहुत अधिक। **Care** (केअ(र्)) = देखरेख। **Gather** (गैद्(र्)) = एकत्रित करना। **Crop** (क्रॉप्) = फसल, उपज। **Got** (गॉट्) = प्राप्त किया। **Plantation** (प्लान्'टेश्न्) = बागान।

हिन्दी अनुवाद- राम नाथ घर गया और अपनी पत्नी से बात करने के बाद अपने बड़े खेतों की सफाई करने लगा, जो इतने सालों से खाली पड़े थे। वहाँ उसने केले के पौधों की कतारें लगाईं। उसने उनकी देखभाल बहुत ध्यान से की और सर्दियों के महीनों में उन पर जमने वाली ओस को बहुत सावधानी से इकट्ठा किया। उसकी पत्नी ने भी उसकी मदद की। मधुमती ने केले की फसल को इकट्ठा किया, उसे बाजार ले गई और इसकी उसे अच्छी कीमत मिली। इन सालों में, राम नाथ ने और भी पौधे लगाए और उनके पास केले का एक बड़ा बागान हो गया। छह साल के अंत में, आखिरकार उसके पास पाँच लीटर ओस थी।

Carefully he took .... gold coins! (page 5)

कठिन शब्दार्थ- **Mutter** (मट(र्)) = बुदबुदाना। **Sprinkle** (स्प्रिङ्क्ल्) = छिड़कना। **Vessel** (वेस्ल्) = बर्तन। **Surprise** (स'प्राइज़्) = आश्चर्य, हैरानी। **Precious** (प्रेशस्) = क़ीमती, बहुमूल्य। **Forward** (फ़ॉवड्) = आगे। **Shine** (शाइन्) = चमकना, चमक बिखेरना। **Stack** (स्टैक्) = ढेर, अंबार।

हिन्दी अनुवाद- सावधानी से, वह बोतल को ऋषि के पास ले गया। ऋषि मुस्कुराए और पानी के ऊपर कुछ बुदबुदाया। फिर उन्होंने बोतल लौटा दी और कहा, "इसे आज़माओ।" राम नाथ ने तांबे के बर्तन पर कुछ बूँदें छिड़कीं और उसके सोने में बदल जाने का इंतजार किया। उसे आश्चर्य हुआ कि कुछ नहीं हुआ!

"यह धोखा है", उसने ऋषि से कहा। "मैंने अपने जीवन के छह कीमती साल बर्बाद कर दिए हैं।"

लेकिन ऋषि महीपति केवल मुस्कुराए और मधुमती को आगे आने के लिए कहा। वह एक बड़ा बक्सा लेकर आई। जब उसने उसे खोला, तो अंदर सोने के सिक्कों के ढेर चमके।

Now the sage turned .... that day on. (page 5)

कठिन शब्दार्थ- **Turn** (टन्) = घूम जाना। **Surprised** (स'प्राइज़्ड्) = आश्चर्यचकित। **Hard** (हाड्) = कठिन। **Created** (क्रि'एटिड्) = बनाया या अस्तित्व में लाया। **Wealth** (वेल्थ्) = धन-संपत्ति। **Told** (टोल्ड्) = बताया। **Earlier** (अलिअ् (र्)) = अधिक जल्दी। **Listened** (लिस्न्ड्) = सुना। **Trick** (ट्रिक्) = चाल, दाँव-पेंच। **Wisdom** (विज़्डम्) = समझदारी, बुद्धिमानी।

हिन्दी अनुवाद- अब ऋषि बहुत हैरान राम नाथ की ओर मुड़े और कहा, "ऐसी कोई जादुई औषधि नहीं है जो चीजों को सोने में बदल सकती है। आपने अपनी ज़मीन पर कड़ी मेहनत की और इस बागान को बनाया। जब आप पेड़ों की देखभाल करते थे, तब आपकी पत्नी बाजार में फल बेचती थी। इस तरह से आपको यह धन मिला। यह आपकी कड़ी मेहनत थी जिसने इस सम्पदा को बनाया, न कि जादू ने। अगर मैंने आपको इसके बारे में पहले बताया

होता, तो आप मेरी बात नहीं सुनते, इसलिए मैंने आपके साथ एक चाल चली है।"
राम नाथ ने इन शब्दों के पीछे की बुद्धिमत्ता को समझा और उस दिन से अपने बागान पर और ज़्यादा मेहनत की।

Let us discuss (आइये चर्चा करें)

Q. 1. Why was Rama Natha angry? राम नाथ क्रोधित क्यों था?

Ans. Rama Natha was angry because he realized that the sage had played a trick on him as the magic potion did not work. राम नाथ क्रोधित था क्योंकि उसे एहसास हुआ कि ऋषि ने उसके साथ छल किया था क्योंकि जादुई औषधि काम नहीं कर रही थी।

Q. 2. How did Rama Natha and Madhumati create wealth?
राम नाथ और मधुमती ने संपत्ति कैसे बनाई?

Ans. Rama Natha worked hard on his land and created his plantation. While he looked after the trees, his wife sold the fruits in the market. That is how they created wealth.
राम नाथ ने अपनी ज़मीन पर कड़ी मेहनत की और अपना बागान बनाया। जब वह पेड़ों की देखभाल करता था, तो उसकी पत्नी बाज़ार में फल बेचती थी। इस तरह उन्होंने संपत्ति बनाई।

TEXTUAL EXERCISES

Let us think and reflect (आइये सोचें और चिंतन करें)

Q. I. Read the following lines and answer the questions that follow.
निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. He spent all his time to learn about the magic potion. People cheated him often, promising to tell him about it, but he did not give up. His wife, Madhumati, was tired of this and also worried because she saw how much money Rama Natha was spending. She was sure that soon they would be without money.

(i) Complete the sentence with a suitable reason.

Rama Natha did not 'give up' because ________ .

Ans. he was very keen to learn about the magic potion.

(ii) Read the column which shows 'what happened' and write the correct outcome in the next column.

Ans.

What Happened	Outcome
A. People promised to tell Rama Natha about the magic potion.	**Rama Natha spent a lot of money and time.**
B. Rama Natha was spending a lot of money.	**His wife, Madhumati was worried that they would soon be without money.**

(iii) Write whether the following statements are True or False.

A. Madhumati was troubled about what her husband did. ☐

B. Rama Natha was very happy digging his fields. ☐

C. The sage wanted to show the right path to Rama Natha. ☐

Ans. A. True B. False C. True

2. Carefully, he took the bottle to the sage. The sage smiled and muttered something over the water. Then he returned the bottle and said, "Try it out." Rama Natha sprinkled a few drops on a copper vessel and waited for it to turn to gold. To his surprise nothing happened!

(i) Choose the option that lists the events given below in the correct order.

A. The sage smiled.

B. Rama Natha gave the bottle to the sage.

C. Rama Natha dropped a few drops of water on a copper vessel.

D. He said something in a low voice over the water.

E. Rama Natha waited to see if the magic worked.